Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-I (H)
Date:- 31-7-2020
Next class

Next.

Structure of group.

(3) समूह सम्बन्ध (Group Relation):- समूह

समूह संरचना का तीसरा प्रमुख तत्व है। समूह संबंध से तात्पर्य समूह सदस्यों के बीच आपसी सम्बन्ध से होता है। समाज मनोवैज्ञानिकों तथा समाजशास्त्रियों का सामान्य मत यह है कि समूह प्रायः समजातीय ~~(homogeneous)~~ (homogeneous) नहीं होते हैं और वे अक्सर कार्यात्मक रूप से (functionally) कुछ छोटे-छोटे खण्डों (Parts) में बंटे होते हैं, और ऐसे खण्ड प्रायः एक रूपी (homogeneous) होते हैं। ऐसे खण्डों को उप-समूह (Sub-group) कहा जाता है। जैसे विश्वविद्यालय के समूह के सदस्यों को ही ले लिजिए। विश्वविद्यालय के सदस्य, वर्ग स्तर के नाम पर छोटे-छोटे समूहों में बंटे होते हैं। ऐसे ~~स~~ ऐसे छोटे-छोटे समूह मिलकर एक समूह यानी विश्वविद्यालय के सदस्यों का समूह बनाते हैं। ये छोटे-छोटे समूह आपस में समजातीय होते हैं। प्रायः ऐसा देखा जाता है कि किसी विचार विमर्श (discussion group) में कुछ सदस्य जो दूसरे एक तरह का विचार ~~रखने वाले~~ व्यक्त कर एक उप-समूह का निर्माण कर लेते हैं तो कुछ दूसरे सदस्य जो दूसरे तरह विचार रखने वाले होते हैं, वो दूसरे उपसमूह का निर्माण कर लेते हैं।

समाज मनोवैज्ञानिकों के अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि एक उप समूह के सदस्यों का व्यवहार दूसरे उपसमूह के साथ प्रायः नकारात्मक (Negative) होता है लेकिन अपने ही समूह के अन्य सदस्यों के साथ स्वीकारात्मक (Positive) होता

है। और एक उपसमूह से दूसरे उपसमूह के बीच अन्तःक्रियाएं (interaction) की मात्रा कम होती है, परन्तु अपने उप समूह में इसकी मात्रा अधिक होती है।

उप समूहों के सदस्यों के बीच का सम्बन्ध लम्बीय (Vertical) तथा समतल (horizontal) दोनों ही होती है। जब दो उपसमूहों का सदस्य समान स्तर (Status) एवं सत्ता (power) के होते हैं तो उनके बीच का संबंध पारस्परिक (mutual) होता है। ऐसे सम्बन्ध को समतल सम्बन्ध (horizontal-Relationship) कहा जाता है।

समाज मनोवैज्ञानिकों ने सिर्फ समूहों (group Relations) की चर्चा ही नहीं की है बल्कि इसके वैज्ञानिक अध्ययन के विधि का भी वर्णन किया है। मोरेनो (moreno, 1934) ने एक ऐसी ही विधि का वर्णन किया है जिसे समाजमिति विधि (Sociometry) कहा जाता है। इस विधि में समूह का प्रत्येक सदस्य गुप्त रूप से यह बतलाता है कि वह समूह के अन्य सदस्यों में से किसे पसन्द करता है। मोरेनो एवं उनके साथियों ने इस विधि द्वारा समूह संबंधों का विस्तृत अध्ययन कर निम्नांकित निष्कर्ष दिया है।

(i) समूह के नेता (Leader) से सभी अन्य व्यक्तियों का सम्बन्ध होता है समूह का यह एक ऐसा व्यक्ति होता है, जिसकी अन्तःक्रियाएं (interaction) सबसे अधिक होता है।

(ii) युग्मों (pairs) से संबंधित में संबंध दो व्यक्तियों तक सिमित होता है। ये दोनों व्यक्ति एक दूसरे को पसंद करते हैं।

(iii) त्रिकोणी के सामूहिक संबंध मुख्यतः मुख्यतः तीन व्यक्तियों तक सिमित होता है। इन तीनों में से प्रत्येक एक दूसरे को पसंद करता है।

(iv) समूह में एक आध ऐसे व्यक्ति भी होते हैं जिनके साथ अन्य सदस्यों की अन्तःक्रिया न के बराबर होती है। ऐसे व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति न प्रेम करते हैं नहीं ही घृणा करते हैं।

Scanned with CamScanner

(4) विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सम्बन्ध (Relationship among different social groups) :- किसी भी समाज में बहुत तरह के सामाजिक समूह (Social groups) होते हैं। किसी समूह विशेषकर बड़े समूह की संरचना को समझने के लिए विभिन्न सामाजिक समूह के सम्बन्धों के बारे में जानना ~~भी आवश्यक~~ है। आवश्यक है। उदाहरणार्थ, अगर किसी राज्य को एक बड़ा समूह मान लिया जाय तो यह आवश्यक है कि इसकी संरचना हम सही सही तभी समझ सकते हैं जब एक बड़े समूह के विभिन्न समूहों जैसे ऑफिसरों का समूह, धार्मिक संगठनों, मजदूरों का समूह, दुकानदारों का समूह आदि को आपसी सम्बन्धों के बारे में सही सही जानें। जाहिर है कि इन विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच का सम्बन्ध यदि सौहार्दपूर्ण होगा, तो हम उसके समूह अर्थात राज्य की संरचना को सही ढंग से समझ पाएंगे।

ऊपर किये गये वर्णन से स्पष्ट है कि समूह की संरचना की व्याख्या समाज मनोवैज्ञानिकों ने विभिन्न तत्वों के रूप में किया है।

End.

Scanned with CamScanner